Syllabus of F.Y. BA. General Hindi Programme as per CBCS w.e.f. 2017-18

Semester – I

HNC: 101 Madhyakalin Evam Aadhunik Hindi Kavya Tatha Vyakaran 04
HNA: 101 Sampreshan Kaushal 04
HNG : 101 Janasanchar Madhyam: Mudrit Madhyam 04

Semester II

HNC : 102 Aadhunik Hindi Katha Sahitya Evam Vyakaran 04
HNA : 101 Sampreshan Kaushal 04
HNG : 102 Janasanchar Madhyam: Electronic Madhyam 04

Syllabus of S.Y. BA. General Hindi Programme as per CBCS w.e.f. 2018-19

Semester – III

HNC: 103 Hindi Sahitya Ka Aadikaal Evam Madyakaal: Parichayatmak Adhyayan 04
HGC: 101 Aadhunik Hindi Gadhya Ki Itar Vidhayein 04
HNG: 103 Hindi Sahitya Ki Vivdh Vidhayein 04
HNS: 101 Sambhasan Kala 04

Semester IV

HNC : 104 Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya: Parichayatmak Adhyayan (From 1850 to 1960) 04
HGC : 102 Aadhunik Hindi Padya 04
HNG : 104 Sahitya Aur Hindi Cinema 04
HNS : 102 Samachar Sankalan Aur Lekhan 04

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र - 1st semester
CORE COURSE (CC) DSC 1A
CORE COURSE HNC 101
मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य तथा व्याकरण (4 Credits)
(Madhyakaalin Evam Aadhunik Hindi Kavya Tatha Vyakaran)

Hours

हिन्दी पद्य 30

कबीर	: 10 दोहे एवं 2 पद
तुलसीदास	: विनय पत्रिका के 2 पद
घनानंद	: 2 कवित्त
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	: अधिवास, गहन है यह अंध:कारा
माखनलाल चतुर्वेदी	: जवानी ,अमर निशानी,कैदी और कोकिला
गजानन माधव मुक्तिबोध	: एक फोड़ा दुखा, मीठा बेर
सुदामा पांडेय 'धूमिल'	: मुनासिब कार्रवाई,अकाल दर्शन
अरूण कमल	: मातृभूमि,पुतली में संसार
लीलाधर मंडलोई	: यह आदमी,आपत्ति
अनामिका	: बेजगह,वृद्धाएँ धरती का नमक हैं
बोधिसत्व	: कुछ दिन पहले,मेरा कुछ नहीं हो सकता

खण्ड काव्य – डॉ. रामकुमार वर्मा - 'ओ अहिल्या' 15

व्याकरण : शब्द के रूप, वर्तनी सुधार, संधि एवं संधि विच्छेद, विकारी एवं अविकारी शब्द 15

संदर्भ ग्रंथ

- लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी , राधाकृष्ण प्रकाशन , 1991
- संपादक रामविलास शर्मा : राग विराग , लोकभारती प्रकाशन , 1988
- घूमिल : संसद से सड़क तक , राजकमल प्रकाशन , 1992
- परमानंद श्रीवास्तव: समकालीन हिन्दी कविता : नए प्रस्थान , वाणी प्रकाशन ,
- रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना , राजकमल प्रकाशन , 1982
- कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र - 1st semester
Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
Modern Indian Language Communication HNA 101

संप्रेषण कौशल (4 Credits)
(Sampreshan Kaushal)

Hours

1. हिंदी व्याकरण 15
   - अ. स्वर-व्यंजन : वर्गीकरण
   - आ. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक
   - इ. शब्द-उच्चारण : ध्वनि गुण

2. भाषिक संप्रेषण : स्वरूप एवं प्रकार 15
   - अ. संप्रेषण : अवधारणा एवं महत्व
   - आ. संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित,
     वैयक्तिक और सामाजिक,
     व्यावसायिक
   - इ. संप्रेषण की चुनौतियाँ

3. संप्रेषण के माध्यम – एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, दृश्य -श्रव्य 15
   (व्यावहारिक प्रयोग अपेक्षित है।)

4. प्रभावी संप्रेषण- गहन अध्ययन, कल्पनाशीलता, व्याख्यायित करना, चर्चा, विवेचन, विवाद, तर्कसंगत विश्लेषण, मूल्यांकन आदि के आधार पर निम्नलिखित कहानियों, कविताओं, फिल्मों का मूल्यांकन करना अनिवार्य है । 15

   कहानियाँ – चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
   यशपाल - फूलो का कुरता
   मन्नू भंडारी - यही सच है
   ओमप्रकाश वाल्मिकी - ग्रहण
   कविताएँ – नागार्जुन- प्रेत का बयान
   केदारनाथ सिंह - बनारस
   दुष्यंत कुमार - मै जिसे ओढ़ता - बिछाता हूँ ,
   केदारनाथ अग्रवाल - सब चलता है लोकतंत्र में
   फिल्म – एक कला फिल्म, एक व्यावसायिक फिल्म

संदर्भ ग्रंथ

- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक संदर्भ , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1984
- वी. आर जगन्नाथ : प्रयोग और प्रयोग , ऑक्स्फर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन , दिल्ली , 1981
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : रचना का सरोकार , वाणी प्रकाशन 1987
- विद्यानिवास मिश्र : संप्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1988
- कामताप्रसाद गुरु : हिन्दी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र - 1st semester
Generic Elective (GE) – HNG 101
जनसंचार माध्यम : मुद्रित माध्यम (4 Credits)
(Janasanchar Madhyam : Mudrit Madhyam)

Hours

जनसंचार माध्यम 15

संचार – परिभाषा, स्वरुप ,तत्व एवं प्रकार
जनसंचार- परिभाषा, स्वरुप , प्रकार एवं महत्व

मुद्रित माध्यम 15

पत्रकारिता – स्वरुप , वर्गीकरण एवं महत्व
समाचार लेखन के तत्व , पृष्ठ सज्जा एवं प्रकाशन प्रक्रिया
समाचार के विभिन्न स्त्रोत
पत्रिकाएँ – प्रकार एवं महत्व

मुद्रित माध्यम 15

विज्ञापन : स्वरुप , प्रस्तुतिकरण एवं महत्व
फीचर लेखन – स्वरुप एवं महत्व
साक्षात्कार लेखन – स्वरुप, प्रकार एवं प्रक्रिया
(व्यावहारिक प्रयोग अनिवार्य है ।)

मुद्रित माध्यम और समाज 15

सकारात्मक प्रभाव
नकारात्मक प्रभाव
मुद्रित माध्यमों की चुनौतियाँ

संदर्भ ग्रंथ

- डॉ. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर , दिल्ली , 2004
- डॉ. सुजाता वर्मा : पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि , आशीष प्रकाशन , कानपुर , 2005
- डॉ. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिंदी , राजपाल प्रकाशन , दिल्ली
- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र :मीडिया लेखन–सिद्धांत एवं व्यवहार , संजय प्रकाशन , दिल्ली 2013
- डॉ.निशांत सिंह: विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया , सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली ,2003

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
द्वितीय सत्र - 2nd Semester
Core Course (CC) DSC 1B
CORE COURCE HNC 102
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं व्याकरण (4 Credits)
(Aadhunik Hindi Katha Sahitya Evam Vyakaran)

Hours

हिन्दी कहानी 30

बंग महिला – दुलाई वाली
प्रेमचंद – प्रायश्चित
अज्ञेय – खितीन बाबू
फणीश्वरनाथ रेणु – ठेस
राजेन्द्र यादव – दायरा
रामदरश मिश्र – एक औरत एक ज़िन्दगी
मैत्रेयी पुष्पा – बेटी
उदय प्रकाश – आचार्य की रजाई
मोहनदास नैमिशराय – आवाज़ें
जयश्री रॉय – आस्था
कैलाश बनवासी – बाजार में रामधन

उपन्यास -ममता कालिया– 'दौड़' 15

व्याकरण : उपसर्ग, प्रत्यय, समास, विराम चिह्न , लोकोक्तिया और मुहावरे 15

संवाद लेखन

संदर्भ ग्रंथ

- कामता प्रसाद गुरू : हिंदी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011
- गोपाल राय : हिन्दी कहानी का इतिहास – भाग १ , भाग २ , राजकमल प्रकाशन , 2011
- डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ : हिंदी कहानी के सौ वर्ष , मधुवन प्रकाशन , मथुरा, 1988
- डॉ. बदरीदास : हिंदी उपन्यास -पृष्ठभूमि और परंपरा , प्रकाशन ग्रंथ , रामबाग , कानपुर , 1966

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र - 2st semester
Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
Modern Indian Language Communication HNA 101

संप्रेषण कौशल (4 Credits)
(Sampreshan Kaushal)

Hours

1. हिंदी व्याकरण 15
   - अ. स्वर-व्यंजन : वर्गीकरण
   - आ. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक
   - इ. शब्द-उच्चारण : ध्वनि गुण

2. भाषिक संप्रेषण : स्वरूप एवं प्रकार 15
   - अ. संप्रेषण : अवधारणा एवं महत्व
   - आ. संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित,
     वैयक्तिक और सामाजिक,
     व्यावसायिक
   - इ. संप्रेषण की चुनौतियाँ

3. संप्रेषण के माध्यम – एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, दृश्य -श्रव्य 15
   (व्यावहारिक प्रयोग अपेक्षित है।)

4. प्रभावी संप्रेषण- गहन अध्ययन, कल्पनाशीलता, व्याख्यायित करना, चर्चा, विवेचन, विवाद, तर्कसंगत विश्लेषण, मूल्यांकन आदि के आधार पर निम्नलिखित कहानियों, कविताओं, फिल्मों का मूल्यांकन करना अनिवार्य है । 15

   कहानियाँ – चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
   यशपाल - फूलो का कुरता
   मन्नू भंडारी - यही सच है
   ओमप्रकाश वाल्मिकी - ग्रहण

   कविताएँ – नागार्जुन- प्रेत का बयान
   केदारनाथ सिंह - बनारस
   दुष्यंत कुमार - मैं जिसे ओढ़ता - बिछाता हूँ ,
   केदारनाथ अग्रवाल - सब चलता है लोकतंत्र में

   फिल्म – एक कला फिल्म, एक व्यावसायिक फिल्म

संदर्भ ग्रंथ

- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक संदर्भ , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1984
- वी. आर जगन्नाथ : प्रयोग और प्रयोग , ऑक्स्फर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन , दिल्ली , 1981
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : रचना का सरोकार , वाणी प्रकाशन 1987
- विद्यानिवास मिश्र : संप्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण , केंद्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा 1988
- कामताप्रसाद गुरु : हिन्दी व्याकरण , हिन्दी मराठी प्रकाशन , नागपुर 2011

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
F.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
द्वितीय सत्र - 2nd semester
Generic Elective (GE) – HNG 102
जनसंचार माध्यम : इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (4 Credits)
(Janasanchar Madhyam : Electronic Madhyam)
Hours

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम –स्वरुप, भेद एवं महत्व 15

- **रेडियो**
  विकास एवं महत्व
  रेडियो लेखन
  सराकारी एवं गैर – सरकारी रेडियो चैनल
  (आकाशवाणी, विविध भारती , एफ. एम रेनबो , रेडियो मिर्ची आदि)

- **सिनेमा** 15
  हिन्दी सिनेमा – स्वरुप , विकास यात्रा एवं महत्व
  पटकथा लेखन – स्वरुप एवं प्रक्रिया

- **दूरदर्शन** 15

  विकास एवं महत्व
  दूरदर्शन लेखन
  सराकारी एवं गैर – सरकारी दूरदर्शन चैनल

- **संगणक** 15
  परिभाषा, स्वरूप , विकास एवं महत्व
  व्यावहारिक प्रयोग
  किसी भी सॉफ्टवेअर के द्वारा लघु समाचार पत्रिका तथा
  निमंत्रण पत्र बनाना

- **इलैक्ट्रॉनिक माध्यम तथा समाज**
  सकारात्मक प्रभाव
  नकारात्मक प्रभाव
  इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की चुनौतियाँ

संदर्भ ग्रंथ

- डॉ. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर , दिल्ली , 2004
- डॉ. सुजाता वर्मा : पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि , आशीष प्रकाशन , कानपुर , 2005
- डॉ. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिंदी , राजपाल प्रकाशन , दिल्ली
- डॉ. सु. नागलक्ष्मी: संचार , सूचना , कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत , जवाहर पुस्तकालय , 2012
- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र :मीडिया लेखन–सिद्धांत एवं व्यवहार , संजय प्रकाशन , दिल्ली 2013
- डॉ.निशांत सिंह: विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया , सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली ,2003

- हरिमोहन :कंप्युटर और हिंदी, हिन्दी बुक सेंटर , 2016
- मनोहर श्याम जोशी : पटकथा लेखन एवं परिचय , राजकमल प्रकाशन , 2000
- अमरसिंह वधान : कंप्युटर प्रयोग और हिंदी , भावना प्रकाशन , दिल्ली 2003

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
तृतीय सत्र 3rd Semester
Core Course (C) DSC 1C
HNC 103
हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन (4 Credits)
(Hindi Sahitya Ka Aadikaal Evam Madyakaal: Parichayatmak Adhyayan)

हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल : परिचयात्मक अध्ययन Hours

आदिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन** 30

(i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।
(ii) आदिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय
(सिध्द, नाथ, जैन तथा रासो काव्य)

भक्तिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन**

(i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।
(ii) भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय
अ. निर्गुण भक्तिकाव्य-संत काव्य एवं सूफ़ी काव्य।
ब. सगुण भक्तिकाव्य- रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्य।

रीतिकाल : परिचयात्मक **अध्ययन**

(i) सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश।
(ii) रीतिकालीन काव्यधाराएँ – रीतिबध्द एवं रीतिमुक्त काव्य।

- **निर्धारित कवि एवं चयनित रचनाएं** 30

कुशल लाभ – ढोला मारु रा दूहा – 10 दोहे
संपादक – डॉ॰ कृष्ण कुमार शर्मा
(दोहा संख्या: 1, 4, 12, 17, 38, 64, 77, 83, 138, 305)
रैदास – रैदास बानी – 5 पद
संपादक – डॉ॰ शुकदेव सिंह
(पद संख्या:6, 103, 128, 144, 194)
मलिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत – 5 पद
(पद संख्या:बनिजारा खण्ड-9, प्रेम खण्ड-7, पद्मावती वियोगखण्ड-7, बसंत खण्ड-9, चित्तौर आगमन खण्ड- 5)

नाभादास - भक्तमाल - 5 पद
व्याख्याकार – श्री रामकृष्ण देव गर्ग
(पद संख्या: 4, 5, 41, 142, 370)
सूरदास – भ्रमरगीतसार सं॰ रामचन्द्र शुक्ल - 5 पद
(ऐसे भक्ति मोहे भावे, दरसन बिना तरसत मोरी,
बेर बेर नहीं आवे अवसर, मधुकर! स्याम हमारे चोर,

निरगुन कौन देश को वासी)

मीराबाई – मीरा ग्रंथावली, सं॰ कल्याणसिंह शेखावत - 5 पद

(पिय निन सूनो छै जी म्हारो देश, तुम सुणो जी म्हारो अरजी, मैं तो सांवरे के रंग राची, है मेरो मनमोहना आयो नहीं, मनवा राम- नाम – रस पीजै)

बोधा – फुटकल रचनाएँ – 5 पद

(काँपत गात सकात बतात, वह प्रीति की रीति को, कहिबे को व्यथा सुनिबे, कूर मिले मगसर मिले, कबहूँ मिलिबो, यह धीरज)

देव – रीतिकाव्य संग्रह - 5 पद

(जबते कुवर कान्ह रावरी, साहिब अंध, मुसाहिब मूक, पाँयनि नूपुर मंजू बजै, साँसन ही में समीर गयो, सुधाकर से मुख बानि सुधा)

संदर्भ - ग्रंथ

आ. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 2002

आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी: हिंदी साहित्य: उद्भव एवं विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2015 डॉ॰ रामकुमार वर्मा :

हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2007

डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016

सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003

नाभादास – भक्तमाल, श्री वियोगी विश्वेश्वर, निम्बकाचार्य पीठ (परशुरामपुरी सलेमाबाद राजस्थान)

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र – 3rd Semester

HGC-101

आधुनिक हिंदी गद्य की इतर विधाएँ (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Gadhya Ki Itar Vidhayein)

	Hours
विष्णु प्रभाकर– 'आवारा मसीहा' (जीवनी) राजपाल प्रकाशन, दिल्ली।	15
अनिल यादव: 'वह भी कोई देश है महाराज' (यात्रा वृतांत) अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद, उ० प्र०।	15
महादेवी वर्मा: 'पथ के साथी' (संस्मरण) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
सुशीला टाकभौरे: 'शिकंजे का दर्द' (आत्मकथा) वाणी प्रकाशन, दिल्ली।	15

संदर्भ- ग्रंथ

- बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली , 2004
- मनोरमा शर्मा : संस्मरण और संस्मरणकार, आराधना ब्रदर्स, कानपुर
- कमलापति उपाध्याय : हिन्दी आत्मकथा साहित्य का शैलीगत अध्ययन, साहित्य रत्नालय
- रामस्वरुप चतुर्वेदी : गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम
तृतीय सत्र - 3rd Semester
Elective : Generic (G)
HNG: 103
हिंदी साहित्य की विविध विधाएँ (4 credits)
(Hindi Sahitya Ki Vivdh Vidhayein)

Hours

- मधुशाला (**काव्य**) - हरिवंशराय बच्चन 15
  राजपाल एण्ड संस
- सूरज का सातवाँ घोड़ा (**उपन्यास**) – धर्मवीर भारती 15
  नेशनल बुक ट्रस्ट
- जिंदगी और गुलाब के फूल (**कहानी संग्रह**) - ऊषा प्रियंवदा 15
  भारतीय ज्ञानपीठ
- ताजमहल का टेंडर (**नाटक**) - अजय शुक्ल 15
  राजकमल प्रकाशन, प्रकाशन संस्थान

संदर्भ -ग्रंथ

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन
2. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली 1973
3. बच्चन : व्यक्तित्व और कृतित्व, जीवन जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन
4. कवीश्री बच्चन : व्यक्ति और दर्शन, साहित्य भवन , इलाहाबाद
5. बच्चन : एक अध्ययन, ललित अरोरा, भारतीय ग्रंथ निकेतन
6. हरिवंशराय बच्चन – अजित कुमार, साहित्य अकादमी
7. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना – पुष्पा भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन , दिल्ली 1984

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
तृतीय सत्र
Skill Enhancement Course (SE)
HNS: 101
संभाषण कला (4 Credits)
(Sambhasan Kala)

Hours

- संभाषण : अर्थ एवं विभिन्न रूप 15

  वार्तालाप, व्याख्यान,वाद विवाद,एकलाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

  जन संपर्क में वाक्कला की उपयोगिता।

  संभाषण कला के प्रमुख उपादान-यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

- संभाषण कला के विभिन्न रूप 30

  उद्घोषणा कला, (अनाउन्सेमेंट), ,आँखों देखा हाल, (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो , टी.वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

  संभाषण कला का व्यावहारिक पक्ष।

- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के 15

  विकास में संभाषण कला का योगदान।

- संवादी (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

संदर्भ -ग्रंथ

सं॰ पंकज बिष्ट-भूपेन सिंह : मीडिया, बाजार और लोकतंत्र, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली

तेजपाल चौधरी : अच्छी हिंदी संभाषण और लेखन, हिन्दी बुक सेंटर

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र 4th Semester

Core Course (C) DSC 1D

HNC 104

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य : परिचयात्मक अध्ययन

(1850 से 1960 तक) (4 Credits)

(Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya: Parichayatmak Adhyayan)

(From 1850 to 1960)

हिन्दी गद्य विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन	Hours
कहानी, उपन्यास, नाटक और निबंध विधाओं के विकास के विभिन्न चरण, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी प्रतिनिधि रचनाओं का उल्लेख	30
• **निर्धारित रचनाकार एवं रचनाएं**	30

कहानी – प्रेमचंद- 'नशा'
जयशंकर प्रसाद् - 'आकाशदीप'
मन्नू भंडारी – 'मैं हार गयी'
उपन्यास – यशपाल - 'मनुष्य के रूप'
नाटक – जगदीशचन्द्र माथुर - 'कोणार्क'
निबंध – प्रतापनारायण मिश्र – 'दाँत'
रामचंद्र शुक्ल- 'उत्साह'
हरिशंकर परसाई - 'मातादीन चाँद पर'

संदर्भ -ग्रंथ

डॉ॰ रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद , 2007
डॉ. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016
सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003
बच्चन सिंह : साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण, वाणी प्रकाशन

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातक स्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
चतुर्थ सत्र 4th Semester
HGC-102

आधुनिक हिंदी पद्य (4 Credits)
(Aadhunik Hindi Padya)

Hours

हिन्दी पद्य **30**

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : नए जमाने की मुकरी
निराला : जल्द जल्द पैर बढ़ाओ,आओ, आओ!, राजे ने अपनी रखवाली की
सुभद्राकुमारी चौहान : बिदाई, स्वदेश के प्रति
हरिवंशराय बच्चन : गणतंत्र दिवस ,हिन्दू और मुसलमान
नागार्जुन : सुबह-सुबह,शासन की बंदूक
केदारनाथअग्रवाल: सिनेमाई संसार, लोगों का जीवन
दुष्यंतकुमार : ग़ज़लें
धूमिल : रोटी और संसद , बीस साल बाद
कात्यायनी : रामधनी , हाकी खेलती लड़कियाँ
निर्मला पुतुल : क्या तुम जानते हो, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा!

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना-प्रतिनिधि कविताएँ **30**

1. नहीं नहीं प्रभु तुम से शक्ति नहीं माँगूंगा
2. माँ की याद
3. पोस्टमार्टम की रिपोर्ट
4. जूता– 1,2,3,4
5. देशगान
6. तुम्हारे साथ रहकर
7. सुर्ख हथेलियाँ
8. रसोई
9. अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ
10. गरीबा का गीत

संदर्भ- ग्रंथ

1. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ वर्ष, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली
2. नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्य यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014
3. नंदकिशोर नवल : कविता पहचान का संकट, भारतीय ज्ञानपीठ, 2006
4. ए अरविंदाक्षन : समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गोवा विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)

स्नातकस्तरीय सी.बी. सी. एस. पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र - 4th Semester

Elective : Generic (G)

HNG: 104

साहित्य और हिंदी सिनेमा (4 Credits)

(Sahitya Aur Hindi Cinema)

Hours

- हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास 15
- सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया 15
- साहित्य और सिनेमा का अन्तःसंबंध 15 साहित्य-सिनेमाः रुपातंरण की चुनौतियाँ 15

अध्ययन के लिए

1.बंदिनी 2. 1084 की माँ 3. गोधूली 4. साहिब बीबी और गुलाम 5. उमराव जान (पुरानी) 6. एक चादर मैली सी 7. पिंजर 8. शतरंज के खिलाड़ी 9. तीसरी कसम 10. रजनीगंधा 11. आँधी 12. घरौंदा 13. भूमिका 14. रेनकोट 15. गाइड 16. हैदर

(उपरोक्त फिल्मों में से छह फिल्मों का अध्ययन अनिवार्य है।)

संदर्भ-ग्रंथ

1. भारतीय सिने सिध्दांत – अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2009
2. सिनेमा कल आज और कल- विनोद भारव्दाज, हिंदी बुक सेंटर, 2006
3. सिनेमा के बारे में- जावेद अख्तर, राजकमल प्रकाशन, 2008
4. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष- दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत), भारतीय पुस्तक परिषद, 2009

गोवा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
S.Y. B.A. General Course (CBCS Syllabus)
स्नातकस्तरीय सी. बी. सी. एस्. पाठ्यक्रम
चतुर्थ सत्र 4th Semester
Skill Enhancement Course (SE)
HNS: 102
समाचार संकलन और लेखन (4 Credits)
(samachar sankalan aur lekhan)

Hours

- समाचार : अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, 15
  संरचना (घटक , समाचार मूल्य, समाचार के स्त्रोत।
- समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन- प्रक्रिया : सिद्धान्त और मार्गदर्शक बातें। विकासशील और जनरुचि की दृष्टियाँ।
- समाचार का वर्गिकरण। खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार।
- संवाददाता : भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार- संहिता। 30
- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार : विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा, ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ, एवं वाणिज्य, बैठके एवं सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकार वार्ता, साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान एवं तकनीकी विषय, खेलकूद, पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से संबन्धित रिपोर्टिंग।
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन।

- लीड : अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्व। 15
- शीर्षक : अर्थ, प्रकार, लिखने की कला महत्व।
- रिपोर्टिंग : कला और विज्ञान के रूप में विश्लेषण, वस्तुपरकता और भाषा-शैली।

संदर्भ-ग्रंथ

डॉ॰ सुरेश अग्रवाल : जनसंचार माध्यम, नमन प्रकाशन दिल्ली, 2005
हरिमोहन: समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली, 2003
एन सी पंत : मीडिया लेखन के सिद्धांत, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 2009

Annexure- 1

GOA UNIVERSITY

B.A. HINDI GENERAL PROGRAMME

CBCS SYLLABUS

Effective from Academic Year: 2019-2020

SEMESTER V

1. HNC 105----------Aadhunik Hindi Kavya Ka Itihaas
2. HND 101---------- Rachnatmak Lekhan
3. HND 102---------- Asmitamoolak Vimarsh

SEMESTER VI

1. HNC 108---------- Swatantryottar Hindi Gadya
2. HND 104----------Prayojanmoolak Hindi
3. HND 105----------Bhartiya Sahitya

A COMPULSORY PROJECT PAPER IN LIEU OF ONE OF THE DSE

Annexure-2

GOA UNIVERSITY

B.A. HINDI HONOURS PROGRAMME

CBCS SYLLABUS

Effective from Academic Year: 2019-2020

SEMESTER V

1. HNC 105----------Aadhunik Hindi Kavya Ka Itihaas
2. HNC 106----------Bhartiya Kavyashastra
3. HNC 107----------Hindi Bhasha ka Itihaas
4. HND 101---------- Rachnatmak Lekhan
5. HND 102---------- Asmitamoolak Vimarsh
6. HND 103---------- Sahitya Aur Hindi Cinema

SEMESTER VI

1. HNC 108----------Swatantryottar Hindi Gadya
2. HNC 109---------- Pashchatya Kavyashastra
3. HNC 110----------Hindi Vyakaran
4. HND 104---------- Prayojanmoolak Hindi
5. HND 105----------Bhartiya Sahitya
6. HND 106----------Rachanakar Ka Vishesh Adhyayan - Mohan Rakesh

A COMPULSORY PROJECT PAPER IN LIEU OF ONE OF THE DSE